Roll No. : .....

Total No. of Questions : **13**] [Total No. of Printed Pages : **3**

EDE–362

B.A. B.Ed. (IIIrd Year) Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - II (CC-1)

कथा साहित्य

(कहानी और उपन्यास)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **60***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 8 = 16)**

नोट :– सभी **आठ** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 4 × 5 = 20)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **4** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 8 × 3 = 24)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. (i) 'त्यागपत्र' उपन्यास के शीर्षक पर टिप्पणी लिखिए।

   (ii) 'त्यागपत्र' उपन्यास की नायिका पर टिप्पणी लिखिए।

(iii) मुंशी प्रेमचन्द का जीवन परिचय दीजिए।

(iv) 'दु:ख' कहानी से कहानीकार का उद्देश्य क्या है ?

(v) 'चीफ की दावत' कहानी में कितने पात्र हैं ?

(vi) 'दादी माँ' कहानी में दादी माँ का चरित्र स्पष्ट कीजिए।

(vii) 'नौकरी पेशा' कहानी के पात्र राधेलाल का चरित्र-चित्रण कीजिये।

(viii) 'सरहद के इस पार' कहानी का नायक कौन है ?

खण्ड–ब प्रत्येक 4

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

2. ''घटनाएँ होती हैं, होकर चली जाती हैं। हम जीते हैं और जीते-जीते एक रोज मर जाते हैं। जीना किस उछाह से प्रारम्भ करते हैं, पर उस जीवन के इस किनारे आते-आते कैसी ऊब, कैसी उक्ताहट जी में भर जाती है, मैं इस लीला पर इस प्रहेलिका पर सोचता रह जाता हूँ। कुछ पार नहीं मिलता, कुछ पार नहीं मिलता, कुछ भेद नहीं पाता।''

3. ''मन में एक गाँठ पड़ती जाती थी। वह न खुलती थी न घुलती थी। बल्कि कुछ करो, वह उलझती और कसती ही जाती है। जो होता था, कुछ होना चाहिए था, कुछ करना चाहिए, कहीं कुछ गड़बड़ है। कहीं क्यों, सब गड़बड़ ही गड़बड़ है। सृष्टि गलत है, समाज गलत है, जीवन ही हमारा गलत है।''

4. सितम्बर का अन्तिम सप्ताह था। वर्षा की ऋतु बीत जाने पर भी दिन भर पानी बरसता रहा। दिलीप बैठक की खिड़की और दरवाजों पर पर्दे डाले बैठा था। वितृष्णा और ग्लानि में समय स्वयं यातना बन जाता है। एक-एक मिनट गुजरना मुश्किल हो जाता है। समय को बीतता न देख दिलीप खीझ कर सो जाने का यत्न करने लगा। इसी समय जीने पर से छोटे भाई के धम धम कर उतरते चले आने का शब्द सुनाई दिया।

5. साढ़े पाँच बज चुके थे। अभी मिस्टर शामनाथ को खुद भी नहा-धोकर तैयार होना था। श्रीमती कबकी अपने कमरे में जा चुकी थी। शामनाथ जाते हुए माँ को फिर एक बार हिदायत करते गए, माँ, रोज की तरह गुमसुम बनकर नहीं बैठी रहना। अगर साहब इधर आ निकले और कोई बात पूछे, तो ठीक तरह से बात का जबाब देना।

6. स्नेह और ममता की मूर्ति दादी माँ की एक-एक बात आज कैसी-कैसी मालूम होती है। परिस्थितियों का वात्याचक्र जीवन को सूखे पत्ते-सा कैसा नचाता है, इसे दादी माँ खूब जानती थीं। दादा की मृत्यु के बाद से ही वे बहुत उदास रहतीं। संसार उन्हें धोखे की टट्टी मालूम होता। दादा ने उन्हें स्वयं जो धोखा दिया।

7. दूसरे रोज गाँधी डायरी के मुताबिक बाबू राधेलाल चार बजे से कुछ पहले ही पीछे कैरियर में दफ्तर की दो पतली फाइलें इस तरह डोरी से बाँधे हुए पहुँच गये जैसे कोई जिन्दा मुरगा बाँधकर लाये हो कि पीछे से उड़ न जाये। बात असल में यह है कि वे सुरक्षा के भी बेहद कायल हैं, पीछे कैरियर पर कोई भी चीज खूब अच्छी तरह कसकर बाँध लेने के बाद वे निश्चिन्त हो जाते हैं कि अब गिरेगी नहीं। कैरियर टूटकर गिर जाये यह बात दूसरी है।

8. मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों से छल-छल आँसू बहने लगे। दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोछती, पर वे बार-बार उमड़ आते, जैसे बरसों के बाँध तोड़कर उमड़ आए हों। माँ ने बहुतेरा दिल को समझाया, हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की, मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने में ही नहीं आते थे।

खण्ड–स

प्रत्येक 8

9. 'मृणाल' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

10. पात्र योजना एवं चरित्र-चित्रण की दृष्टि से 'त्यागपत्र' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

11. यशपाल ने 'दु:ख' कहानी के मुख्य पात्र दलीप के मन की भावनाओं को किस प्रकार चित्रित किया है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

12. श्री भीष्म साहनी का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी कहानी कला पर प्रकाश डालिए।

13. 'सरहद के इस पार' के आधार पर रेहान का चरित्र-चित्रण कीजिए।